

ढेलेबाज वि. (देश.) निशाना बाँधकर ढेला मारने वाला।

ढेवुका स्त्री. (तत्.) एक पैसे का सिक्का।

ढेंचा पुं. (देश.) एक प्रकार का पेड़ जिसकी छाल से रस्सियाँ बनाई जाती हैं।

ढैया स्त्री. (देश.) 1. ढाई सेर का बाट 2. ढाई का पहाड़ा 3. शनि का एक राशि पर स्थिर रहने का ढाई वर्ष का समय।

ढोंका पुं. (देश.) पत्थर आदि का अनगढ़ा टुकड़ा, बड़ा डला।

ढोंकिया पुं. (देश.) कपड़े की एक प्रकार की काट जिसमें लंबाई घट जाती है और चौड़ाई बढ़ जाती है।

ढोंग पुं. (देश.) 1. नाप, तौल, मान 2. पाखंड, ढकोसला, आडंबर।

ढोंगबाज वि. (देश.+फा.) पाखंडी, ढोंगी।

ढोंगबाजी स्त्री. (देश.) पाखंड, ढोंग।

ढोंगी वि. (देश.) पाखंडी।

ढोंचा पुं. (देश.) साढ़े चार का पहाड़ा।

ढोंटा पुं. (देश.) दे. ढोरा।

ढोंड़ी स्त्री. (तद्.) दे. ढोटी।

ढोंढ़ पुं. (तद्.) 1. कपास, पोस्त आदि का डोडा 2. कली।

ढोंढ़ी स्त्री. (देश.) 1. नाभि 2. डोडा, कली।

ढोंसना अ.क्रि. (तद्.) 1. धूमधाम मचाना 2. आनंद मनाना।

ढोक स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की मछली 2. ढेर।

ढोका पुं. (देश.) 1. बड़ा डला 2. पर्दा, खोल।

ढोटा पुं. (देश.) 1. पुत्र, बेटा 2. लड़का।

ढोटी स्त्री. (देश.) 1. पुत्री, बेटी 2. लड़की।

ढोना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु को लादकर ले जाना 2. उठा ले जाना।

ढोर पुं. (देश.) गाय, बैल, भैंस आदि पशु, चौपाया।

ढोरा पुं. (देश.) दे. ढोरा।

ढोरी वि. (देश.) 1. ढली हुई स्त्री. रट, धुन, लौ।

ढोल पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का बाजा जिसके दोनों ओर चमड़ा मढ़ा होता है मुहा. ढोल पीटना-घोषणा करना, चारों ओर जताते फिरना जैसे- वह अपने काम का ढोल पीटता रहता है 2. कान के भीतर का पर्दा।

ढोलक स्त्री. (तत्.) छोटा ढोल, ढोलकी।

ढोलकिया पुं. (देश.) ढोलक बजाने वाला।

ढोलकी स्त्री. (देश.) दे. ढोलक।

ढोलना पुं. (देश.) 1. दूल्हा, प्रिय 2. ढोलक के आकार का गले में पहनने का जंतर स.क्रि. 1. ढालना 2. ढरकाना, गिराना।

ढोलनी स्त्री. (तद्.) पालना, बच्चों का झूला।

ढोला पुं. (देश.) 1. फलों में लगने वाला सफेद कीड़ा 2. सीमासूचक निशान 3. शरीर, देह 4. मूर्ख व्यक्ति।

ढोलिनी स्त्री (देश.) ढोल बजाने वाली स्त्री।

ढोली स्त्री. (देश.) 1. पानों की गड़ड़ी 2. हँसी, ठिठोली, दिल्लगी।

ढोंचा पुं. (देश.) एक पहाड़ा जिसमें साढ़े चार गुनी संख्या पढ़ी जाती है।

ढोंसना अ.क्रि. (देश.) धूमधाम मचाना, खुशी मनाना।

ढोंकन पुं. (तद्.) रिश्वत, घूस।

ढोंकित वि. (तद्.) पास लाया हुआ।

ढोरी स्त्री. (देश.) रट, धुन, लौ।

ण

हिंदी वर्णमाला का पंद्रहवाँ व्यंजन, मूर्धन्य अनुनासिक, अल्प प्राण, सघोष व्यंजन।

ण पुं. (तत्.) 1. बिंदुदेव-बुद्ध का एक नाम 2. आभूषण 3. निर्णय 4. ज्ञान 5. शिव का एक नाम वि. बुरा व्यक्ति।

णगण पुं. (तत्.) दो मात्राओं का एक मात्रिक गण।

ण्य पुं. (तत्.) ब्रह्मलोक का एक समुद्र।